Group 'D' post lying vacant in Sports Authority of India, New Delhi

3341. SHRI GHUFRAN AZAM: Will the Minister of HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT be pleased to state:

(a) whether it is fact that a good number of vacancies in Group 'D' post have been lying vacant in the Sports Authority of India, New Delhi since long;

(b) whether it is also a fact that candidates sponsored by the Employment Exchange have been waiting in queue for their interview/selection since long; and

(c) if so, what action has been taken by the Authority concerned to fill up the same?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT (DEPARTMENT OF YOUTH AFFAIRS AND SPORTS) WITH ADDITIONAL CHARGE OF THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT (DEPARTMENT OF WOMEN AND CHILD DEVELOPMENT) (KUMARI MAMATA BANERJEE): (a) 28 Group 'D' posts are lying vacant in Sports Authority of India. Out of these, it has been decided not to fill 18 posts on account of the recent Government instructions for observing economy in expenditure.

Another 45 posts of Safaikaramachari created for taking over the conservancy work of I.G. Stadium, New Delhi, from DDA and 17 posts created for running the Canteen in J.N. Stadium, New Delhi departmentally, have not been filled up because neither the conservancy work has been taken over from DDA, nor the Canteen at J. N. Stadium is being run departmentally on account of economy instructions.

(b) The Employment Exchange was notified of some of the vacancies as above in January, 1992. The names were also sponsored in April, 1992. In view of the economy measures advised by the Government, the candidates were not called for interview. The Employment Exchange has been informed accordingly.

(c) Does not arise.

ग्रामीण शिक्षा हेतु आवंटन में कमी

3342. श्री राजूभाई ए. परमार : क्या मानव संसाधन विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि केन्द्रीय सरकार द्वारा गत वर्ष की तुलना में चालू वर्ष में ग्रामीण शिक्षा हेतु आवंटन में कमी की गई है, जिसके कारण ग्रामीण शिक्षा पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है ;

(ख) यदि हां, तो इस संबंध में ब्यौरा क्या है ;

(ग) गत तीन वर्षों के दौरान यह राशि वर्ष-वार कितनी-कितनी थी, और

(घ) चालू वर्ष में आवंटन में कमी किये जाने के क्या कारण है ?

मानव संसाधन विकास मंत्रालय (शिक्षा विभाग और संस्कृति विभाग) में उपमंत्री (कुमारी शैलजा) : (क) से (घ) ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा का विकास देश में शिक्षा के समग्र विकास का एक भाग होता है, अतः ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा के लिए अलग से धनराशि का आवंटन नहीं किया जाता। प्राथमिक, माध्यमिक और प्रौढ़ शिक्षा के लाभ, मुख्य रूप से ग्रामीण क्षेत्रों को प्राप्त होते है। सीमान्त क्षेत्र विकास कार्यक्रम को छोड़कर शिक्षा के लिए केंद्रीय योजनागत आवंटन, 1990-91, 1991-92 और 1992-93 में क्रमशः 865 करोड़ रुपये, 977 करोड़ रुपये और 952 करोड़ रुपये है।

संसाधनों के अभाव, और सरकार के, राज्य की योजनाओं को केन्द्रीय सहायता बढ़ाने के निर्णय से, 1991-92 की तुलना में 1992-93 में शिक्षा के लिए केंद्रीय योजनागत परिव्यय में थोड़ी-सी कमी आई है।